D •••• वर्ष 24 | अंक 50 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : पांच रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण
amarujala.com
उत्तराखंड
देहरादून | बुधवार, 15 अप्रैल 2020

ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

यमुनोत्री-गंगोत्री की पहाड़ियों पर बर्फबारी, निचले इलाकों में बारिश, गेहूं और सेब की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी/चिन्यालीसौड़/नौगांव/बड़कोट। मंगलवार दोपहर को जिले के विभिन्न हिस्सों में झमाझम बारिश और यमुनोत्री गंगोत्री धाम की ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी हुई, जबकि जिले के कई हिस्सों में भारी ओलावृष्टि से खेतों में तैयार गेहूं की फसल बर्बाद हो गई। तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलों की मार से सेब की फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

मंगलवार दोपहर बाद हुई भारी बारिश से मुख्यालय सहित कई क्षेत्रों में सड़कों पर जलभराव हो गया। समाचार लिखे जाने तक भी जिले में रुक-रुक कर बारिश जारी है, जबकि यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम के आसपास की पहाड़ियों पर बर्फबारी होने से ठंड बढ़ गई है।

चिन्यालीसौड़ के जोगत क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसल हुई नष्ट।

चिन्यालीसौड़ दिचली क्षेत्र के पूर्व जिला पंचायत सदस्य जोगेंद्र रावत, प्रधान संगठन के ब्लाक अध्यक्ष कोमल सिंह राणा ने बताया कि दिचली गमरी क्षेत्र के दिचली, जगड़गांव, बनकोट, भैंगवालगांव, क्यारी, सर्प आदि गांवों में ओलावृष्टि इतनी हुई कि खेतों में सफेद चादर बिछ गई, जिससे गेहूं की फसल बर्बाद हो गई है। स्योरी फल पट्टी क्षेत्र में भी फ्लावरिंग सीजन में हुई ओलावृष्टि से सेब की फसल चौपट हो गई है। सुक्की गांव निवासी मोहन सिंह राणा ने बताया कि उपला टकनौर क्षेत्र में भी मौसम की बेरुखी सेब की फसल पर भारी पड़ने लगी है। प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डा. पंकज नौटियाल का कहना है कि आजकल खेतों में गेहूं, मटर, मसूर आदि फसलें तैयार हैं, जबकि सेब आदि फल वृक्ष फ्लावरिंग स्टेज में हैं। ऐसे में ओलावृष्टि से फसल को ज्यादा नुकसान हुआ है।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में बर्फबारी

गोपेश्वर/रुद्रप्रयाग। मंगलवार को मौसम ने फिर करवट ली। दोपहर बाद बदरीनाथ, केदारनाथ धाम में बर्फबारी और निचले इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई, जिससे ठंड बढ़ गई है। चमोली जिले में मंगलवार को दोपहर बाद बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, रुद्रनाथ सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी शुरू हो गई, जबकि निचले क्षेत्रों में आसमान में बादल छाए रहने के साथ ही तेज हवाएं चली और करीब एक घंटे जमकर बारिश हुई। उधर, रुद्रप्रयाग जिले में भी दोपहर बाद केदारनाथ समेत अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है, जबकि जिला मुख्यालय समेत निचले इलाकों में बादलों की गर्जना के साथ बारिश की बौछार हुई। केदारनाथ धाम में दोपहर बाद बर्फबारी होने से बर्फ हटाने के काम में जुटी कार्यदायी संस्था का काफी दिक्कत हुई। वुड स्टोन के टीम प्रभारी मनोज सेमवाल ने बताया कि बीते दो दिन मौसम ठीक था, तो काफी रास्ते से काफी बर्फ हटा दी गई थी। अब दोबारा बर्फबारी से कार्य प्रभावित हो रहा है। ब्यूरो

भिलंगना ब्लॉक में बगीचों को काफी नुकसान

घनसाली/नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक क्षेत्र में मंगलवार को जमकर ओलावृष्टि के साथ ही झमाझम बारिश हुई। ओलावृष्टि से फसलों और फलदार पेड़ों को भारी नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि से गेहूं, जौ की फसलों और सेब, आड़ू, पुलम और खुमानी के पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। गेहूं की फसल पककर खेतों में तैयार हो चुकी है। सेब, आड़ू, पुलम, खुमानी, नाशपाती के फलदार पेड़ों पर खिले फूल ओलावृष्टि से झड़ गए हैं। उधर, डुंग मंदार क्षेत्र में भी भारी ओलावृष्टि से फसल चौपट हो गई है। संवाद